सामुदायिक स्वास्थ विभाग, सेंट स्टीफन्स अस्पताल

<u>वर्ल्ड डिसएबिलिटी डे</u> 03.12.2020

वर्ल्ड डिसएबिलिटी डे / दिव्यांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 1992 से हर साल 3 दिसंबर को मनाया जाता है। डिसएबिलिटी / विकलांगता एक स्थिति है जिसमे हमारी रोज की सामान्य गतिविधियां थोड़ा मुश्किल हो जाती हैं। यह सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है; इसका प्रभाव किसी व्यक्ति के निजी व सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है क्यूँ की उन्हे लोगों द्वारा उपेक्षा, आने जाने मे कठिनाई जेसे परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

- WHO के अनुसार विश्व में दिव्यांग जनसंख्या एक अरब जो कि विश्व की करीब 15% आबादी हैं।
- भारत में दिव्यांग जनसंख्या करीब 2 करोड़ 10 लाख (जनगणना 2011) हैं।

दिव्यांगता के विभिन्न प्रकार: देखन, सुनने, बोलने या चलने में कठिनाई, बौद्धिक अक्षमता व अन्य

आने वाले समय में, आबादी में बुजुर्ग लोगों की संख्या में वृद्धि और मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर तथा मानसिक रोगों जैसे बीमारी की जटिलतायों के कारण विकलांगता की व्यापकता बढ़ती रहेगी।

समस्याएँ जो दिव्यांग लोग सामना करते हैं:

- स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं- शारीरिक व मानसिक
- शिक्षा में कठिनाई
- आर्थिक उन्नति व् रोजगार में कठिनाई

• समाज द्वारा उपेक्षा / दुर्व्यवहार

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अपने समाज को अधिक अनुकूल बनाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

- उनके परेशानियों को समझना
- दिव्यांग लोगों के साथ बराबरी का व्यवहार करना (घर, कार्यालय और सार्वजनिक स्थानों में)
- उनकी कठिनाइयों को लेकर मजाक न करना
- इन व्यक्तियों को बिना किसी कठिनाई के सामाजिक, शैक्षणिक, चिकित्सा या कार्य से संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करना

डिसएबिलिटी सर्टिफिकेट कहाँ से प्राप्त कर सकते है?

- जी.टी.बी. अस्पताल व अन्य नजदीकी सरकारी अस्पतालों से।
- दिव्यांग लोगों के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधायों के लिए यह प्रमाण पत्र आवश्यक है।

सुधा चंद्रन
मशहूर डांसर
कृत्रिम पैर के साथ

अरुणिमा सिन्हा
माउंट एवरेस्ट पर चढ़े
कृत्रिम पैर के साथ

विकलांगता के बावजूद सफलता की कहानियाँ

"विकलांगता शरीर में है, मन में नहीं"

सामुदायिक स्वास्थ विभाग, सेंट स्टीफन्स अस्पताल